प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

26.03.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15.00बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि उनका सपना साल 2032 तक हिमाचल को समृद्ध प्रदेश बनाने का है। वे आज शिमला स्थित सरकारी आवास ओक ओवर में अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर परिवार और समर्थकों के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने हिमाचल के हितों की केंद्र के सामने पैरवी करने के लिए विपक्ष से भी सहयोग की अपील की। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछले साल सरकार ने राजनीतिक आपदा का सामना किया और प्रदेश की जनता से उन्हें सहयोग मिलने से विधानसभा में कांग्रेस की संख्या 40 पर पहुंची। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता का धन्यवाद किया और कहा कि संयोग से उनके जन्मदिन के मौके पर आज बजट पास होना है। उन्होंने कहा कि हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वह काम कर रहे हैं और चुनौतियां बहुत हैं लेकिन व्यवस्थाओं में सुधार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के फैसलों में प्रदेश की जनता का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था गति पकड़ रही है जिससे हिमाचल के ग्रामीण और बागवान समृद्ध होंगे।

.....

प्रश्नकाल

उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा है कि राज्य सरकार करूणामूलक आधार पर पात्र लोगों को नौकरियां देगी और इसके लिए शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय समिति गठित की गई है। शिमला में चल रहे विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में विधायक सतपाल सिंह सत्ती और सुरेंद्र शौरी ने के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार करूणामूलक आधार पर नौकरी देगी। अग्निहोत्री ने कहा कि सरकार करूणामूलक आधार पर रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है और चुनावी वायदों के मुताबिक कार्य करते हुए सभी के केस कंसीडर कर समयबद्ध नौकरी देगी। उन्होंने कहा कि पेंशन आय का हिस्सा है और उसे इसमें जोड़ा जाता रहा है, क्योंकि सरकारी कोष से धन जारी हुआ है। इससे पहले शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि उनकी अध्यक्षता में कैबिनेट सब कमेटी की दो बैठकें हो भी चुकी हैं और यह कमेटी 15 अप्रैल से पहले अपनी रिपोर्ट सरकार को दे देगी। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के अनुपूरक सवाल पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि करूणामूलक आधार पर नौकरी में वही नीति चल रही है जो पूर्व भाजपा सरकार ने बनाई है। उन्होंने कहा कि सरकार करूणामूलक आधार पर नौकरी देने जा रही है और सारा मामला अंतिम चरण में है। विधायक भुवनेश्वर गौड़ और नेता

प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के अनुपूरक सवाल पर मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश में लोकहित के दृष्टिगत दूध आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए और पर्यावरण सुरक्षा के लिये विद्युत उपभोग पर सैस लगाए गए हैं, इससे कोई ज्यादा आय नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि बिजली बिलों में सैस जोड़ने का एकमात्र कारण केवल राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना और पर्यावरण संरक्षण है। यह सेस, ऊर्जा की खपत के आधार पर वर्गीकृत उपभोक्ताओं की विभिन्न श्रेणियों पर लगाए गये हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों पर इसका कोई भार नहीं पड़ रहा है। अग्निहोत्री ने कहा कि भाजपा ने अपने शासनकाल में मंदिरों की आय का कुछ हिस्सा गोवंश के लिए रखा था। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि बिल ज्यादा आ रहा है तो उपभोक्ता इसकी शिकायत इलेक्ट्रिसिटी रिड्रेसल फोरम पर कर सकता है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि यदि सेस लगाने के बाद भी आय नहीं हो रही है तो ये सेस क्यों लगाए हैं। विधायक राकेश जंबाल और रणधीर शर्मा द्वारा पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन सेवा में बड़ा बदलाव हुआ है। उन्होंने यात्रियों की कमी और संसाधनों की चुनौतियों के चलते एचआरटीसी ने बीते दो वर्षों में 88 बस रूट बंद कर दिए हैं। हालांकि, इसी अवधि में निगम ने 52 नए बस रूट शुरू भी किए हैं।